Mr.Sanjay Kumar
(Assistant Professor)
Dept.Of Psychology
C.M.J. College, Donwarihat
Khutauna,Madhubani
9905430675(Mobile/WhatsApp)
Email- sanjayuttam725@gmail.com

B.A. PART -II. PAPER-III

असामान्य मनोविज्ञान/मनोविकृति विज्ञान: अर्थ एवं क्षेत्र (ABNORMAL PSYCHOLOGY /PSYCHOPATHOLOGY: MEANING AND SCOPE)

असामान्य मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की एक ऐसी शाखा(शुद्ध मनोविज्ञान के अंतर्गत) है, जिसके अंतर्गत असामान्य व्यक्तियों के मानसिक प्रक्रियाओं तथा असामान्य व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है। असामान्यता का तात्पर्य है- सामान्य से परे। यानी कि ऐसा व्यवहार,जो सामाजिक नियमों,नैतिकताओं, मान्यताओं, रीति-रिवाजों, इत्यादि से हटकर हो।व्यक्ति के ऐसे असामान्य व्यवहारों का अध्ययन असामान्य मनोविज्ञान के अंतर्गत किया जाता है।असामान्य व्यवहार के विकास में जैविक कारकों(biological factors), मनोवैज्ञानिक कारकों (psychological factors) तथा सामाजिक-सांस्कृतिक (social-cultural factors) कारकों का प्रमुख हाथ होता है।

असामान्य मनोविज्ञान के संबंध में विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने ढंग से परिभाषाएं दी हैं एवं असामान्य मनोविज्ञान के अर्थों को परिभाषित करने का प्रयास किया है जिनमें से प्रमुख निम्नांकित है-

पेज(page, 1976) के अनुसार,"असामान्य मनोविज्ञान वास्तव में मनोविज्ञान की वह शाखा है, जो असामान्य व्यक्तियों के मानसिक प्रक्रियाओं तथा व्यवहारों के अध्ययन तक सीमित है।"

किसकर(kisker,1985) के शब्दों में, "असामान्य मनोविज्ञान, मनोविज्ञान का एक विशिष्ट क्षेत्र है,जो व्यक्तित्व-उपद्रवों तथा व्यवहार विकृतियों का अध्ययन करता है।"

कारसन, बूचर एवं मीनेका(Carson, Butcher & Mineka,2005) के अनुसार,"असामान्य मनोविज्ञान वास्तव में मनोविज्ञान का एक क्षेत्र या शाखा है, जिसमें असामान्य व्यवहार के स्वरूप, कारण, उपचार तथा निवारण का अध्ययन किया जाता है।"

असामान्य मनोविज्ञान/मनोविकृति विज्ञान के संबंध में उपरोक्त विवेचनाओं एवं मनोवैज्ञानिकों द्वारा दिए गए परिभाषाओं के विश्लेषण से असामान्य मनोविज्ञान के संबंध में निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती हैं-

क)असामान्य मनोविज्ञान वास्तव में मनोविज्ञान की एक शाखा है जिसकी गणना प्राय: शुद्ध मनोविज्ञान के अंतर्गत की जाती है।

ख) असामान्य मनोविज्ञान, असामान्य व्यवहार एवं इसके मापदंडों से संबंधित है। इसके अंतर्गत यह पता लगता है कि यह सामान्य व्यवहार से कैसे भिन्न है।

ग)असामान्य व्यवहार के विकास में जैविक कारक, मनोवैज्ञानिक कारक तथा सामाजिक-सांस्कृतिक कारक का हाथ होता है

घ)इसके अंतर्गत असामान्य व्यवहार के उपचार तथा चिकित्सा विधि का अध्ययन किया जाता है।

ड़) इसके अंतर्गत असामान्य व्यवहार से बचाव के उपायों का सुझाव दिया जाता है।

असामान्य मनोविज्ञान का क्षेत्र(scope of abnormal psychology) - असामान्य मनोविज्ञान के क्षेत्र या विषय वस्तु के अंतर्गत वे सारी बातें आती हैं जिनका अध्ययन इस मनोविज्ञान की शाखा में किया जाता है। साधारणतः असामान्य मनोविज्ञान में असामान्य व्यक्तियों के अनुभव तथा व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। अतः असामान्य व्यक्तियों के अनुभव(मानसिक प्रक्रियाएं) तथा व्यवहार ही असामान्य मनोविज्ञान की विषय वस्तु या क्षेत्र है। असामान्य मनोविज्ञान के क्षेत्र के अंतर्गत निम्नलिखित बातें आती हैं -

क) असामान्यता से संबंधित अवधारणाएं/संप्रत्यय (concepts of abnormality) - असामान्यता के

संप्रत्यय के अंतर्गत, असामान्यता से संबंधित कसौटियां, मापदंड या विशेषताएं एवं सामान्य व्यवहार तथा असमान व्यवहार के बीच के अंतर जैसी बातों का अध्ययन असामान्य मनोविज्ञान के क्षेत्र के अंतर्गत किया जाता है।

ख) असामान्य व्यवहार के कारण(causes of of abnormal behaviour) - इसके अंतर्गत असामान्य व्यवहार को विकसित करने वाले कारकों अर्थात जैविक कारकों, मनोवैज्ञानिक कारकों तथा सामाजिक कारकों के बारे में पता लगाया एवं अध्ययन किया जाता है।

ग) असामान्य व्यवहार के लक्षण (symptoms of abnormal behaviour) - इसके अंतर्गत असामान्य व्यवहार के लक्षणों यानी शारीरिक लक्षणों तथा मानसिक लक्षणों का अध्ययन किया जाता है।इन लक्षणों के आधार पर असामान्य व्यक्तियों अथवा मानसिक विकृत व्यक्तियों को विभिन्न वर्गों में विभाजित करने में सुविधा होती है।

घ) असामान्य व्यवहार का उपचार (treatment of abnormal behaviour) - इसके अंतर्गत असामान्य व्यवहार के उपचार का अध्ययन किया जाता है। मुख्य रूप से दो प्रकार के उपचारों का अध्ययन होता है। जिन्हें निरोधक उपचार तथा रोगनाशक उपचार कहते हैं। निरोधक उपचार का अर्थ है कि,रोग को उत्पन्न करने वाले संभावित कारणों को नियंत्रित कर लेना; जिससे व्यक्ति उस रोग का शिकार होने से बचा रहे।दूसरी ओर,रोगनाशक उपचार का अर्थ है कि,रोग हो जाने के बाद, कुछ विशेष उपायों की सहायता से उस रोग को दूर किया जाए।

ङ) मानसिक विकृतियों का वर्गीकरण (classification of mental disorders) - इसके अंतर्गत मानसिक विकृतियों को विभिन्न वर्गों या भागों में वर्गीकृत किया जाता है।आधुनिक समय में अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ (American psychological association/APA) के द्वारा व्यवहार विकृति या मानसिक विकृति का वर्गीकरण किया गया है, जो DIAGNOSTIC AND STATISTICAL MANUAL OF MENTAL DISORDERS/ DSM के नाम से प्रसिद्ध है।

व्यवहार विकृति या मानसिक विकृति के वर्गीकरण से संबंधित असामान्य मनोविज्ञान के क्षेत्र को निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जा सकता है-

i) कार्यात्मक विकृति (functional disorder) - कार्यात्मक विकृति के अंतर्गत स्नायु विकृति (जिसको आजकल चिंता विकृति'anxiety disorder' कहते हैं) तथा मनोविकृति (psychosis) के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन किया जाता है।

ii) संरचनात्मक विकृति (structural disorder) - संरचनात्मक विकृति का तात्पर्य मानसिक दुर्बलता (mental deficiency) या मानसिक मंदन (mental retardation) से है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के संरचनात्मक विकृतियों के लक्षणों, कारणों तथा इससे संबंधित उपचारों का अध्ययन किया जाता है।

iii) मनोदैहिक विकृति (psychosomatic disorder) - इसके अंतर्गत अमाशयांत्र विकृति(gastrointestinal disorder), श्वसन विकृति(respiratory disorder), हृदयवाहिका विकृति(cardiovascular disorder), त्वचार विकृति(skin disorder), इत्यादि का अध्ययन किया जाता है।

iv) मस्तिष्क विकृति (brain disorder) - इसके अंतर्गत मस्तिष्क विकृति से संबंधित लक्षणों, कारणों एवं संबंधित उपचार का अध्ययन किया जाता है।

v) व्यक्तित्व विकृति(personality disorder) - इसके अंतर्गत व्यक्तित्व विकृति के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जाता है।व्यक्तित्व विकृति के अंतर्गत मनोविकारी विकृति(psychopathic disorder), बाध्यता व्यक्तित्व (compulsive personality), संविभ्रम व्यक्तित्व (paranoid personality),यौन विकृति (sex disorder), मद्यपान(alcoholism), औषध-व्यसन (drug addiction), इत्यादि की गणना की जाती है।

स्पष्टत: असामान्य मनोविज्ञान/मनोविकृति विज्ञान, जो असामान्य व्यक्ति के असामान्य व्यवहारों एवं उसके असामान्य मानसिक प्रक्रियाओं के अध्ययन से संबंधित विषय है, इसका क्षेत्र वास्तव में काफी व्यापक है और इसकी विषय वस्तु काफी जटिल तथा बहुविमीय है।

02/07/2020. - Sanjay Kumar